जिज्ञासा | ए-क्यूब प्लेनेटेरियम शो में ग्रहों, तारों और आकाशगंगाओं की अद्भुत दुनिया से बच्चे हुए रूबरू, विज्ञान के प्रति बढ़ी जिज्ञासा

360 डिग्री डोम थिएटर में अंतरिक्ष की सैर

▸ ब्रेन डिस्कवरी के विद्यार्थियों ने जाना ब्रह्मांड का रहस्य

नवभारत जबलपुर। कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर जब विज्ञान कल्पना नहीं, बल्कि सजीव अनुभव बन जाए, तो सीखने का आनंद कई गुना बढ़ जाता है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए सैंचुरी एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित ब्रेन डिस्कवरी ग्लोबल स्कूल में गत दिवस अत्याधुनिक 360 डिग्री डोम थिएटर आधारित प्लेनेटेरियम शो का आयोजन किया गया। दिल्ली से आई ए-क्यूब प्लेनेटेरियम की टीम ने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष की रोमांचकारी यात्रा कराते हुए ग्रहों, तारों, आकाशगंगाओं और सौरमंडल की रहस्यमयी दुनिया से परिचित कराया।

डोम थिएटर के भीतर प्रस्तुत किए गए इस विशेष शो में विद्यार्थियों ने ऐसा अनुभव किया मानो वे स्वयं अंतरिक्ष में विचरण कर रहे हों। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित प्रस्तुति के माध्यम से ब्रह्मांड की संरचना, ग्रहों की गति, तारामंडलों और अंतरिक्ष के अनगिनत रहस्यों को सरल एवं रोचक ढंग से समझाया गया। पूरे शो के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह, आश्चर्य और जिज्ञासा स्पष्ट रूप से देखने को मिली। ए-क्यूब प्लेनेटेरियम के संस्थापक अभिषेक दीक्षित के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना तथा अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना था ।इस मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. संदेश कुमार जैन ने कहा की नई शिक्षा पद्धति में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें प्रत्यक्ष अनुभव उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और नवाचार की भावना को सशक्त बनाते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के उपाध्यक्ष डॉ. कामेश पवार, प्राचार्या नम्रता कुंदनानी एवं मैनेजिंग हेड रोशनी कुंदनानी के मार्गदर्शन तथा समस्त शिक्षकों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन ने ए-क्यूब प्लेनेटेरियम के संस्थापक अभिषेक दीक्षित एवं उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और वैज्ञानिक चेतना को प्रोत्साहित करने के लिए भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

मवई में बिजली गुल होते ही ठप हो रहीं बैंकिंग और ऑनलाइन सेवाएं

मवई। जनपद मुख्यालय मवई में पिछले करीब एक सप्ताह से जारी नेटवर्क समस्या ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि क्षेत्र में संचार का प्रमुख माध्यम जिओ नेटवर्क है, जो केवल बिजली रहने तक ही काम करता है। बिजली आपूर्ति बाधित होते ही नेटवर्क पूरी तरह बंद हो जाता है, जिससे पूरा इलाका संपर्क विहीन हो जाता है। बताया गया कि ब्लॉक मुख्यालय होने के कारण मवई में प्रतिदिन सैकड़ों लोग शासकीय एवं निजी कार्यों के लिए पहुंचते हैं, लेकिन इस तकनीकी खराबी से बैंकिंग सेवाएं, ऑनलाइन कार्य और सरकारी कामकाज पूरी तरह ठप पड़े हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बीते हाट-बाजार के दिन इस समस्या का सबसे बड़ा असर देखने को मिला, जब क्षेत्र के 40 से 50 गांवों के ग्रामीण मवई पहुंचे थे। नेटवर्क न होने के कारण ग्रामीण बैंकों से खाद-बीज और जरूरी सामग्री खरीदने के लिए राशि नहीं निकाल पाए, जिससे उन्हें बिना खरीदारी के ही वापस लौटना पड़ा। वहीं, ऑनलाइन भुगतान न होने से स्थानीय व्यापारियों को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सदाबहार गीतों से सजी सुरमयी शाम

▸ तालियों से गूंजा शहीद स्मारक

नवभारत, जबलपुर। सुरसंगिनी ग्रुप द्वारा शहीद स्मारक प्रेक्षागृह में आयोजित संगीतमय कार्यक्रम 'रहे न रहे हम' ने शहर के संगीत प्रेमियों को सदाबहार गीतों की मधुर दुनिया में पहुंचा दिया। खचाखच भरे सभागार में जैसे ही पुराने दौर के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति शुरू हुई, पूरा वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट और श्रोताओं की वाहवाही से गूंज उठा। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन सुधीर श्रीवास्तव और सार्थक यादव ने किया। वरिष्ठ कलाकार ध्रुव मुखर्जी एवं राकेश चौरसिया के मार्गदर्शन में आयोजित इस संगीतमय संध्या का प्रभावी संचालन आकाशवाणी की उद्घोषिका शबनम मसीह ने किया। संगीत संयोजन सार्थक यादव एवं उनकी टीम ने संभाला।

संगीतमयी कार्यक्रम में जैसे ही कलाकारों ने पुराने फिल्मी नग़मे 'तुम्हें देखती हूं तो लगता है ऐसे', 'अजी रूठकर अब कहां जाइएगा', 'जब कोई बात बिगड़ जाए', 'देखो मैंने देखा है ये एक सपना', 'आदमी मुसाफिर है' जैसे गीतों ने ऐसा समा बाँधा की पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा ।संगीत मयी कार्यक्रम के समापन पर 'सो गया ये जहाँ' जैसे लोकप्रिय गीत ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान पूरा सभागार देर तक तालियों की गूंज से सराबोर रहा। संगीत प्रेमियों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम में ध्रुव मुखर्जी, शर्मिला मुखर्जी, डॉ. अनामिका श्रीवास्तव, नीतू शर्मा, राकेश चौरसिया, सुधीर श्रीवास्तव, रूचिरा श्रीवास्तव, मीनल चौधरी, प्रीत श्रीवास्तव, नायरा दुबे, निखिल यादव, डॉ. ललित श्रीवास्तव, पंकज दुबे, संदीप सिंह, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, मुर्गेश पिल्ले सहित अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं।

रस बैठक के सौजन्य से शास्त्रीय संगीत की सुरमयी संध्या

नवभारत, जबलपुर। संस्कारधानी जबलपुर की सांगीतिक संस्था 'रस बैठक' द्वारा दत्त मंदिर परिसर में शास्त्रीय संगीत की एक उत्कृष्ट संध्या गरिमापूर्ण वातावरण में हुई। संगीतप्रेमियों की भारी उपस्थिति वाले इस कार्यक्रम ने श्रोताओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा से जोड़ा। गौरतलब है कि 'रस बैठक' संस्था डॉ. विवेक कर्मेहे के मार्गदर्शन में पिछले तीन वर्षों से जबलपुर में भारतीय शास्त्रीय संगीत, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने व बढ़ावा देने के लिए लगातार ऐसे कई सांगीतिक कार्यक्रमों का सफल आयोजन कर रही है।

कलाकारों की बेहतरीन प्रस्तुतियां और कार्यक्रम का विवरण

मुंबई से आए मशहूर तबला वादक यशवंत वैष्णव इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे। उस्ताद बिस्मिल्लाह ख़ाँ युवा पुरस्कार से सम्मानित और पद्मश्री पंडित योगेश सामसी के शिष्य यशवंत वैष्णव ने अपने असरदार एकल तबला वादन से कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसे श्रोताओं ने बहुत पसंद किया। इसके बाद जबलपुर के युवा शास्त्रीय गायक और ग्वालियर घराने के प्रतिनिधि डॉ. विवेक कर्मेहे ने राग बागेश्री की मधुर प्रस्तुति से पूरे माहौल को सुरमयी कर दिया। उन्होंने आगे अभंग और भजन गाकर कार्यक्रम को भक्ति के रंग में रंग दिया, जिससे श्रोता पूरी तरह मंत्रमुग्ध हो गए। इस मौके पर इंदौर से आए दीपक खसरवाल ने हारमोनियम पर बेहतरीन साथ दिया, जबकि प्रियम ने तानपुरे पर अपनी कला का अच्छा प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम का शानदार संचालन पलक कुमारी ने किया।

शैल्बी हॉस्पिटल लाया विश्वस्तरीय रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट

नवभारत, जबलपुर। शैल्बी मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने जॉइंट रिप्लेसमेंट क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल ने अत्याधुनिक फुली ऑटोमैटिक रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सिस्टम स्थापित किया है। इस आधुनिक तकनीक से अब घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और बेहतर नतीजों के साथ हो रही है। इस मौके पर जॉइंट रिप्लेसमेंट और रोबोटिक सर्जन डॉ. विकास सावला ने इस तकनीक का लाइव प्रदर्शन किया और बताया कि यह सर्जरी को सटीक, कम दर्दनाक और जल्दी ठीक होने वाली बनाती है। जॉइंट रिप्लेसमेंट में अस्पताल की विशेषज्ञता, डॉ. विक्रम शाह की अनुभवी सर्जनों की टीम और बरसों का अनुभव इसे खास बनाता है। विश्वस्तरीय रोबोटिक तकनीक और डॉक्टरों का कौशल मिलकर मरीजों को सबसे अच्छा इलाज देते हैं। इस तकनीक से अब जबलपुर में ही महानगरों जैसी उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं, जिससे घुटनों और जोड़ों के दर्द से परेशान हजारों मरीजों को सुरक्षित और आधुनिक इलाज का नया विकल्प मिलेगा और उन्हें महानगर नहीं जाना पड़ेगा।

मरीजों को मिला नया जीवन

कार्यक्रम में भीलवाड़ा, राजस्थान के 70 वर्षीय मरीज राजेंद्र वर्मा भी उपस्थित थे। उन्होंने अस्पताल में सफल रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण के बाद अपना अनुभव बताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद से बेहतर नतीजे मिले हैं और अब वे पहले से ज्यादा आसानी और आत्मविश्वास से चल-फिर रहे हैं। शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर में चौबीस घंटे समर्पित ट्रॉमा यूनिट, आधुनिक सुविधाओं से लैस क्रिटिकल केयर और आईसीयू सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा अस्पताल में जॉइंट रिप्लेसमेंट, ट्रॉमा, स्पाइन और दूसरी आधुनिक ऑर्थोपेडिक इलाज की सुविधाएं भी मिलती हैं। इस मौके पर अस्पताल की पूरी ऑर्थोपेडिक और जॉइंट रिप्लेसमेंट टीम मौजूद रही, जिसमें डॉ. विश्वनाथ प्रताप सिंह, डॉ. अमन अग्रहरि, डॉ. कुशल सुराना, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव और उप-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अंकित जैन शामिल थे।

महानगरी एक्सप्रेस के एसी कोच में यात्री की मौत

नवभारत, कटनी । बनारस से मुंबई की ओर जा रही ट्रेन संख्या 22178 महानगरी एक्सप्रेस के एसी कोच में रविवार को एक यात्री अचेत अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। ट्रेन के कटनी रेलवे स्टेशन पहुंचने पर रेलवे डॉक्टर ने यात्री की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, महानगरी एक्सप्रेस के एसी कोच बी-4 में एक यात्री के अचेत होने की सूचना ट्रेन के कटनी पहुंचने से पहले डिप्टी स्टेशन अधीक्षक (कमर्शियल) मुकेश मिश्रा को मिली। सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल रेलवे चिकित्सक, जीआरपी और आरपीएफ को अलर्ट किया तथा आवश्यक तैयारियां शुरू कर दीं।

जीआरपी ने शव को लिया क़ब्ज़े में

ट्रेन के कटनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही डिप्टी एसएस मुकेश मिश्रा रेलवे मेडिकल टीम और सफाई कर्मचारियों के साथ संबंधित कोच में पहुंचे। रेलवे डॉक्टर ने मौके पर ही यात्री की स्वास्थ्य जांच की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टर द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद जीआरपी ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जीआरपी ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना के चलते कुछ समय के लिए स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि रेलवे अधिकारियों की तत्परता से आवश्यक कार्रवाई समय पर पूरी कर ली गई।

घुघरी के नंदा मोहल्ला में अधूरा पुल बना जी का जंजाल

▸ लकड़ी के सहारे जान जोखिम में डालकर नाला पार कर रहे स्कूली बच्चे

घुघरी/लाटो। जनपद पंचायत घुघरी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लाटो के नंदा मोहल्ला में निर्माणाधीन पुल का कार्य बीच में ही अधूरा छोड़ दिए जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मानसून की शुरुआत के साथ ही यहाँ स्थिति बेहद गंभीर और चिंताजनक हो गई है।

पुल का निर्माण पूर्ण न होने के कारण ग्रामीणों का सीधा आवागमन बाधित हो गया है। नाले में पानी का स्तर बढ़ने से स्कूली बच्चों को मजबूरी में लकड़ी का सहारा लेकर नाला पार करना पड़ रहा है, जिससे हर समय किसी बड़े हादसे या दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि पुल का निर्माण कार्य लंबे समय से बंद पड़ा है। इस संबंध में संबंधित विभाग और ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक इसे पूरा कराने की दिशा में कोई ठोस प्रशासनिक पहल नहीं की गई है। वर्तमान में नाले के उफान पर होने से सबसे अधिक परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और संबंधित निर्माण एजेंसी से अधूरे पुल का कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराने की मांग की है जिससे ग्रामीणों को सुरक्षित मार्ग मिल सके।

अतिक्रमण | ग्रामीणों के विरोध के बाद जागा वन विभाग, वन भूमि नाले पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई

देवरी कला में आरक्षित वन भूमि पर पटवारी की मिलीभगत से फर्जी पट्टा

बबलिया। स्थानीय देवरी कला बबलिया वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आरक्षित वन भूमि आरएफ 141 पर राजस्व अधिकारियों की साठगांठ से फर्जी तरीके से पट्टा बनाकर अतिक्रमण करने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। ग्राम मझगांव और देवरी कला के निवासियों ने आरोप लगाया है कि अतिक्रमणकर्ता संतोष बैरागी निवासी मझगांव ने पटवारी हल्का और राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर वन विभाग की आरक्षित नाला भूमि की अधिकार पुस्तिका पट्टा बनवा लिया और वहां जबरन खेती शुरू कर दी, जबकि उक्त स्थान पर वन विभाग का मुनारा पहले से लगा हुआ है।

ग्रामीणों ने बताया कि यह पूरा क्षेत्र सार्वजनिक निस्तार के लिए है। पटवारी द्वारा वन क्षेत्र के भीतर सरकारी भूमि का फर्जी पट्टा जारी किए जाने पर ग्रामीणों ने तीखा विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व विभाग को वन भूमि का पट्टा देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सरहदी क्षेत्र में नाली बॉन्डिंग बनाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। हालांकि ग्रामीणों ने शिकायत की है कि कार्रवाई के बाद भी अतिक्रमणकर्ता द्वारा रातों-रात कुछ पत्थर रखकर पुन: कब्जा करने की नीयत से प्रयास किया जा रहा है।

फेंसिंग और पौधरोपण कराने की मांग

वन सुरक्षा समिति के अध्यक्ष धरम कुलस्ते, भारत सिंह एवं अन्य ग्रामवासियों ने मांग की है कि इस सार्वजनिक निस्तार की भूमि को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए वहां तुरंत फेंसिंग कराई जाए और सघन पौधारोपण किया जाए, जिससे भविष्य में कोई दोबारा कब्जा न कर सके। वन क्षेत्र अधिकारी ने बताया कि रान टोला बीट में कंपार्टमेंट 141 के आरक्षित वन भूमि से भी अतिक्रमण हटाया गया है। इसके साथ ही कुछ लोग और है, जिन्हें नोटिस दिया गया है। समय सीमा में इनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो कार्रवाई की जाएगी।

इनका कहना है

मामले की जानकारी मिलते ही सरहदी क्षेत्र में नाली बॉन्डिंग बनाकर अतिक्रमण हटाने की प्रारंभिक कार्रवाई की गई है। वन क्षेत्र के अंतर्गत जितने भी अतिक्रमणकर्ता हैं, उन्हें चिन्हित कर हटाया जाएगा और नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मयंक उपाध्याय, क्षेत्र अधिकारी, वन विभाग

निविदा आमंत्रण सूचना (ई-पद्धति)
मध्य प्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग
नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
कार्यालय मुख्य अभियंता, अपर नर्मदा जोन, जबलपुर

Phone No. 0761-2673450
Fax No. 0761-2672373
E-mail ceunz.2010@rediffmail.com

NIT No. 312/G/CE/2026, **निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)** Dated 03/07/2026

मध्यप्रदेश पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में केंद्रीकृत पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार और पंजीकरण मानदंडों को पूरा करने वाली प्रतिष्ठित फर्मों से एम.पी.डब्ल्यू.आर.डी. यू.सी.एस.आर. दिनांक 11-07-2024 से लागू प्रतिशत के आधार पर (फॉर्म "ए" में) निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :-

सं. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रुपए लाख में)	धरोहर राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपए में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	312/सा./मु.अ./2026, दिनाक 03/07/2026	बरगी दांयी तट नहर की आर.डा. 102.840 कि.मा. से आर.डी. 103,300 और आर.डी. 103.960 कि.मी. से आर.डी. 104.000 कि.मी. तक खुदाई एवं शेष निर्माण कार्य, जिसमें संरचनाएं और सीमेंट कांक्रीट लाइनिंग शामिल हैं	रू. . 316.045 लाख (जी.एस.टी.रहित) (रू. तीन सौ सोलह लाख एवं चार हजार पांच सौ मात्र)	रु. 316100/- (रू. तीन लाख सोलह हजार एक सौ मात्र)	रु. 15000/- (रू. पन्द्रह हजार मात्र)	12 माह (वर्षाकाल सहित)

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये https://www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें । 2. निविदा प्रपत्र डेबिट कार्ड या इन्टरनेट एकाउंट से भुगतान करने के उपरान्त केवल ऑनलाईन निविदा क्रय की जा सकती है। 3. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनाँक एवं समय दिनांक 03.07.2026, 03/07/2026 सायं 17:30 बजे से 13/07/2026 सायं 17:30 बजे तक। 4. निविदा में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो वह केवल बेवसाईट पर दशार्या जायेगा। समाचार पत्र में नहीं।

(डी.एल. वर्मा)
मुख्य अभियंता
अपर नर्मदा जोन, जबलपुर

जी.- 15321/26 | बच्चों की मुस्कान हैं अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल